कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words)

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय भूगोल

परीक्षा का दिन बुधवार

दिनांक 13-03-19

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है।165/2019

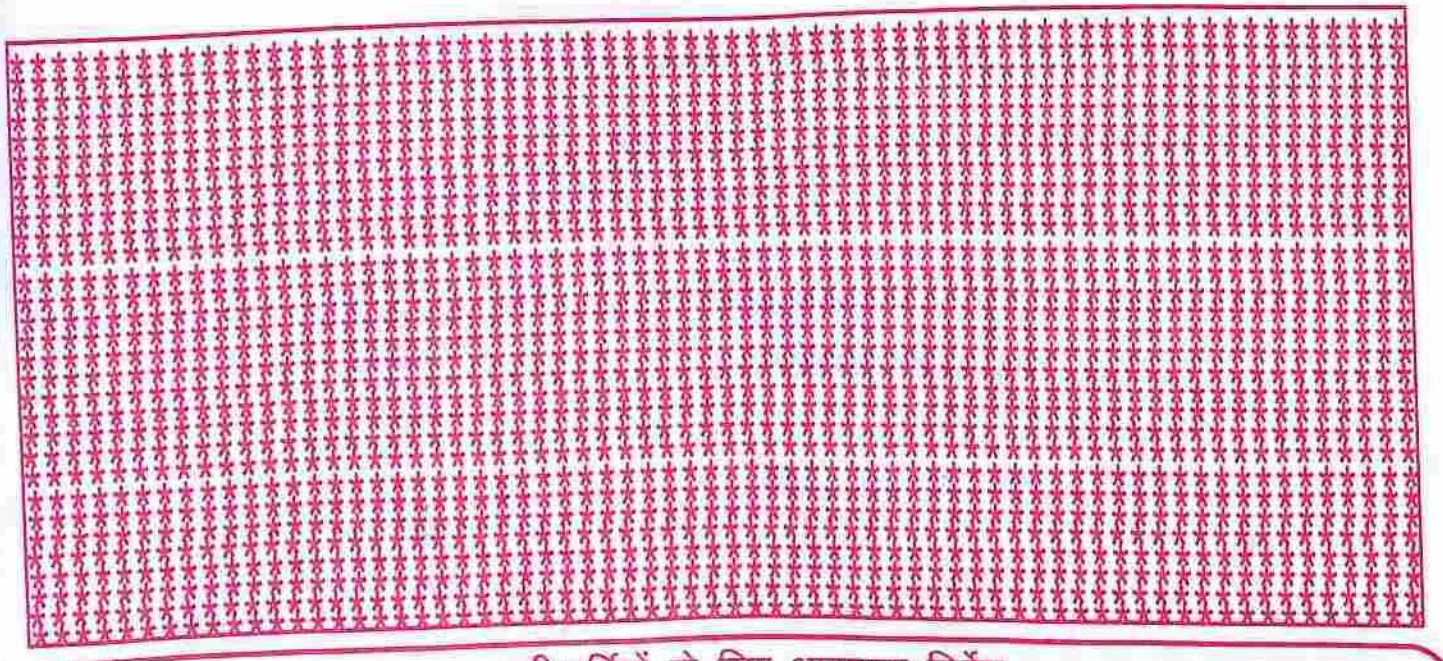

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 1 नव नियतिवाद विचारधारा के प्रतिपादित कर्ता ग्रीफिथ टेलर हैं।

उत्तर 2 सील मछली का उपयोग :-

i) सील मछली का प्रयोग खाने के लिए किया जाता है,

ii) इसका प्रयोग आग जलाने के लिए किया जाता है, सील मछली की चर्बी अधिक समय तक जलती है।

iii) इसकी खाल का प्रयोग नाव बनाने के लिए किया जाता है।

उत्तर 3. विश्व मे सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश चीन है।

उत्तर 4. ग्रामीण क्षेत्रो मे नदी तट पर प्राय रेखिय अधिवास प्रतिरूप बनाए जाते हैं।

उत्तर 5. महानगर :- वे क्षेत्र जहा 1000000 (दस लाख) से अधिक जनसंख्या पाई जाती है महानगर कहलाते है जैसे मुम्बई, जयपुर

वृहत नगर :- वे क्षेत्र जहा 5000000 (पचास लाख) से अधिक जनसंख्या पाई जाती है।

उत्तर 6 उतरी अटलांटिक समुन्द्री मार्ग विश्व का व्यस्ततम समुद्री मार्ग है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 7. द्विपार्श्विक व्यापार :- द्विपार्श्विक व्यापार दो देशों के मध्य होने वाले व्यापार को कहा जाता है।

बहुपार्श्विक व्यापार :- जबसे दो से अधिक देशों के मध्य व्यापार होता है, उसे बहुपार्श्विक व्यापार कहा जाता है;

उत्तर 8. मानव विकास रिपोर्ट 2013 के अनुसार विश्व में भारत का 138 वां स्थान है।

भारत का मानव विकास सूचकांक :- 0.554 है।

उत्तर 9. नव्यकरणीय :- वे संसाधन जिनका एक बार प्रयोग करने के बाद दोबारा पुनर्निर्मित कर दोबारा प्रयोग में लाए जा सकते हैं। इन्हे असमाप्य संसाधन भी कहा जाता है।

अनव्यकरणीय :- वे संसाधन जिनको एक बार प्रयोग में लेने के बाद कभी दोबारा प्रयोग में नहीं लाया जा सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इन्हे समाप्य संसाधन भी कहते हैं।
उदाहरण :- कोयला, पैट्रोलियम आदि।

उत्तर 10 अनुसूचित जाति का एक गरिब व्यक्ति भारत सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास निर्माण हेतु आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकता है।

उत्तर 11 राजस्थान मे जनजातियो की दशा (आर्थिक दशा) मे सुधार हेतु निम्न कार्यक्रम चलाए जा रहे है :-
i) जनजाति सुधार कार्यक्रम
ii) एकलव्य योजना
iii) व इनको लिए रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे हैं।

उत्तर 12 जोधपुर के हस्तशिल्प व्यापारी के लिए अपना माल निर्यात हेतु कांडला बन्दरगाह सर्वाधिक लाभकारी रहेगा।

उत्तर 13 भारत मे सौर ऊर्जा के विकास हेतु उष्णकटिबंधिय जलवायु व अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियाँ के रूप मे उपलब्ध है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 14

एस्किमो जनजाति :-

निवास गृह :- एस्किमो जनजाति हिम खण्डो से हिम निवास बनाती है तथा इन बर्फ (हिम) से बने निवासों को "इग्लू" कहते हैं। इसके अतिरिक्त ये वालरस की खाल से ~~बब~~ मकान बनाती है इन्हे "कर्मक" कहते हैं

वस्त्र :- एस्किमो जनजाति के स्त्री एव पुरुष सामान्यत: एक समान वस्त्र पहनते है। स्त्री एव पुरुष प्राय: एक बाह्यदार बाहदार वस्त्र पहनते हैं। जिसे "तिमियाक" कहते हैं। तिमियाक के ऊपर पहने जाने वाला वस्त्र "अनोहाक" कहलाता हैं। एस्किमो लोग सील मछली की खाल से बने जूते पहनते है जिन्हे "कार्मिक" या "मुक्लक्स" कहते है।

भील :-

निवास ~~ध~~ गृह :- भील जनजाति के लोग घास-फूस व लकड़ी आदि से झोपड़ी बनाकर रहते झोपड़ी की छत प्राय: खपरैल से बनी होती हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

ये लोग झोपड़ियो की सामने की दिवारो को लाल गेरु से पोतकर रखते है,

★ वस्त्र :- भील जनजाति के पुरुष धोती कुर्ता पहनते है। तथा स्त्रिया स्त्रियाँ प्राय: घाघरा व ओढ़नी पहनती है, स्त्रीय स्त्रिया शरिर पर गोदने गुदवाती है। स्त्रिया लाख व कॉच की चूड़िया पहनती है।

उत्तर 15 जनसंख्या घनत्व :- किसी क्षेत्र मे प्रती व्यक्ति वर्ग किलोमीटर मे रहने वाले लोगो की संख्या जनसंख्या घनत्व कहलाता है,

सुत्र :- $\frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल क्षेत्रफल}}$

जनसंख्या घनत्व $= \frac{10\cancel{00000}}{5\cancel{000}} = 200$

जिस जिले की जनसंख्या दस लाख और क्षेत्रफल 5 हजार वर्ग कि. मी. है

उस जिले का जनसंख्या घनत्व = 200 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. है,

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 16 मुम्बई की धारावी कच्ची बस्ती के सामाजिक - आर्थिक परिदृश्य की विशेषताए निम्न लिखित हैं :-

i) इन लोगो के घर प्राय कच्ची झोपड़िया हैं।

ii) इन लोगो के पास मुलभूत आवश्यकताओ की पूर्ति के का अभाव हैं;

iii) इन लोगो की कच्ची झोपड़ियो में आग लगने का खतरा बना रहता हैं।

iv) ये लोग सिलाई व हस्तशिल्प आधारित कार्यो मे दक्ष हैं।

v) इन लोगो के पास विद्युत आपूर्ति का अभाव हैं।

उत्तर 17 दुग्ध कृषि :- i) इस प्रकार की कृषि मे अधिक संख्या मे पशुपालन किया जाता हैं;

ii) पशुओ के नस्ल सुधार पर अधिक ध्यान दिया जाता हैं।

iii) इस प्रकार की कृषि आस्ट्रेलिया, डेनमार्क संयुक्त राज्य अमेरिका आदि स्थानो पर की जाती हैं।

iv) ● दुग्ध उत्पादन को अधिक बढ़ावा दिया जाता हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

★ ट्रक फार्मिंग :- i) इस प्रकार की कृषि में सब्जियों व फलो की कृषि की जाती है।

ii) फलो व सब्जियों को ट्रको में भरकर समीपवर्ती बाजारो तक ले जाता है। इस कारण इसे ट्रक कृषि भी कहा जाता है।

iii) उत्पादन क्षेत्र से बाजार की दूरी इस बात पर निर्भर करती है कि ट्रक द्वारा रातभर चलने में कितनी दूरी तय की गई।

iv) इस कृषि का सर्वप्रथम प्रारंभ संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलीफॉर्निया में हुआ।

उत्तर 18 अम्लीय वर्षा के दुष्प्रभावो को रोकने हेतु चार उपाय निम्नलिखित है :-

1) NO_2 व SO_2 के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाकर

2) अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर

3) वाहनो में CNG गैस का प्रयोग कर

4) कारखानो को बस्ती क्षेत्र से दूर स्थापित कर व उनकी चिमनियो को ऊँचा करके।

5) ऊर्जा के गैर परम्परागत स्रोतो का अधिक प्रयोग करे। जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 19 भारत मे नगरीकरण की बढ़ती प्रवृति के नियंत्रण हेतु निम्न उपाय है :-

i) गावो मे रोजगार के अवसरो को बढ़ावा देकर

ii) गावो मे उच्च शिक्षा संस्थानो को बढ़ावा देकर

iii) गावो मे उचित विद्युत व जल आपूर्ति करके।

iv) गावो मे परिवहन व संचार सुविधाओं को बढ़ावा देकर।

उत्तर 20. यातायात के अन्य साधनो मे महंगा होते हुए भी वायु यातायात अपरिहार्य है। इसके निम्न कारण है :-

i) वायु परिवहन मे किसी भी हल्के व कीमती सामान की तीव्र गति से कही भी पहुचाया जा सकता है।

ii) वायु परिवहन का प्रयोग बाढ़ की स्थिति मे राहत पहुचाने हेतु किया जाता है।

iii) वायु परिवहन सबसे तीव्र परिवहन है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

iv) वायु परिवहन हेतु किसी निश्चित मार्ग की आवश्यकता नहीं होती ।

उत्तर 21 निरपेक्ष गरिबी :— जब कोई व्यक्ति अपनी मूलभूत आवश्यकताओं जैसे भोजन, वस्त्र मकान आदि की पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसे निम्न स्थिति को निरपेक्ष गरिबी कहा जाता है ।

सापेक्ष गरिबी :— जब कोई व्यक्ति किसी अन्य की तुलना मे कम विकसित होता है तो उस स्थिति को सापेक्ष गरिबी कहा जाता है ।
जैसे :— कोई "अ" देश "ब" देश की तुलना मे कम विकसित है तो देश "अ" देश सापेक्ष गरिबी के अन्तर्गत आता है ।

उत्तर 22.

उत्तर 25 गत शताब्दी मे विश्व की जनसंख्या मे अप्रत्याशित वृद्धि के लिए उत्तरदायी कारण निम्नलिखित है :-

i) स्वास्थ्य सेवाओ मे :- आज विश्व के प्रत्येक देशो मे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उचित व दुरुस्त स्वास्थ्य सेवाए उपलब्ध हैं। जिस कारण अगर कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाता है तो उसका इलाज आसानी से किया जा सकता है। जिससे उनकी मृत्यु नही होती।

ii) मुलभूत आवश्यकताओ की पूर्ति :- व्यक्ति की मुलभूत आवश्यकता भोजन वस्त्र एव आवास होती है। जो उन्हे जीने के लिए अपरिहार्य है। तथा विश्व मे सभी देशो मे सरकार द्वारा इन आवश्यकताओ की पूर्ति की जा रही है।

iii) पारम्परावादी सोच :- बहुत से लोग पुत्र के जन्म को प्राथमिकता देते है। कि जिससे वे पुत्र की चाह मे बच्चे पैदा करते जाते है। बहुत से लोग अधिक से अधिक बच्चे पैदा करते है जिससे जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।

iv) मृत्यु दर मे कमी :- स्वास्थ्य सुविधाओ व मुलभूत आवश्यकताओ की पूर्ति के कारण जनसंख्या की मृत्यु दर मे निरंतर कमी आई है।

Sl.No. : 017320

नामांक				Roll No.		
2	9	2	5	3	1	1

SS–14–Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019

Subject : GEOGRAPHY

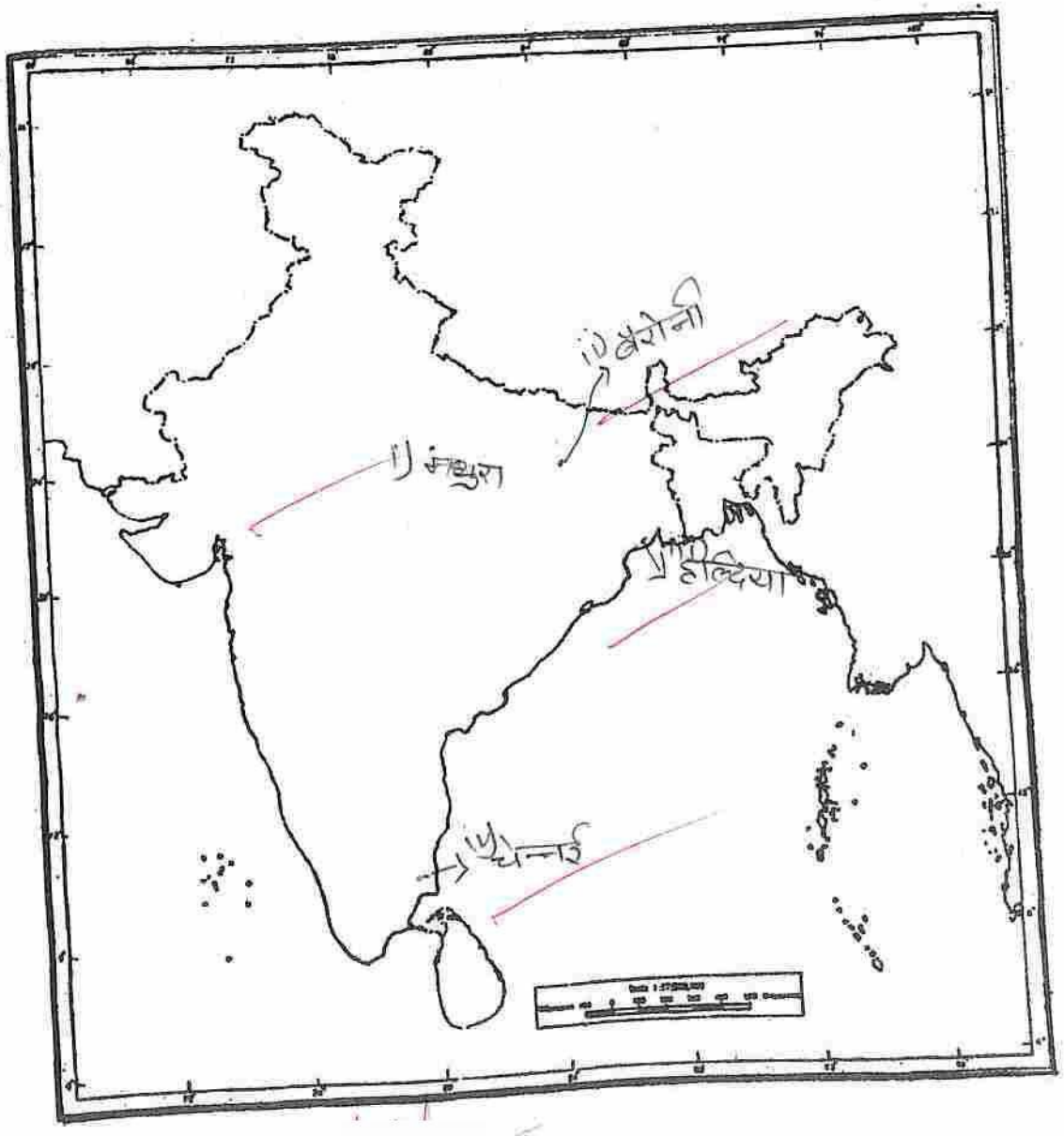

Sl.No. : 017320

नामांक				Roll No.		
2	9	2	5	3	1	1

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019

Subject : GEOGRAPHY

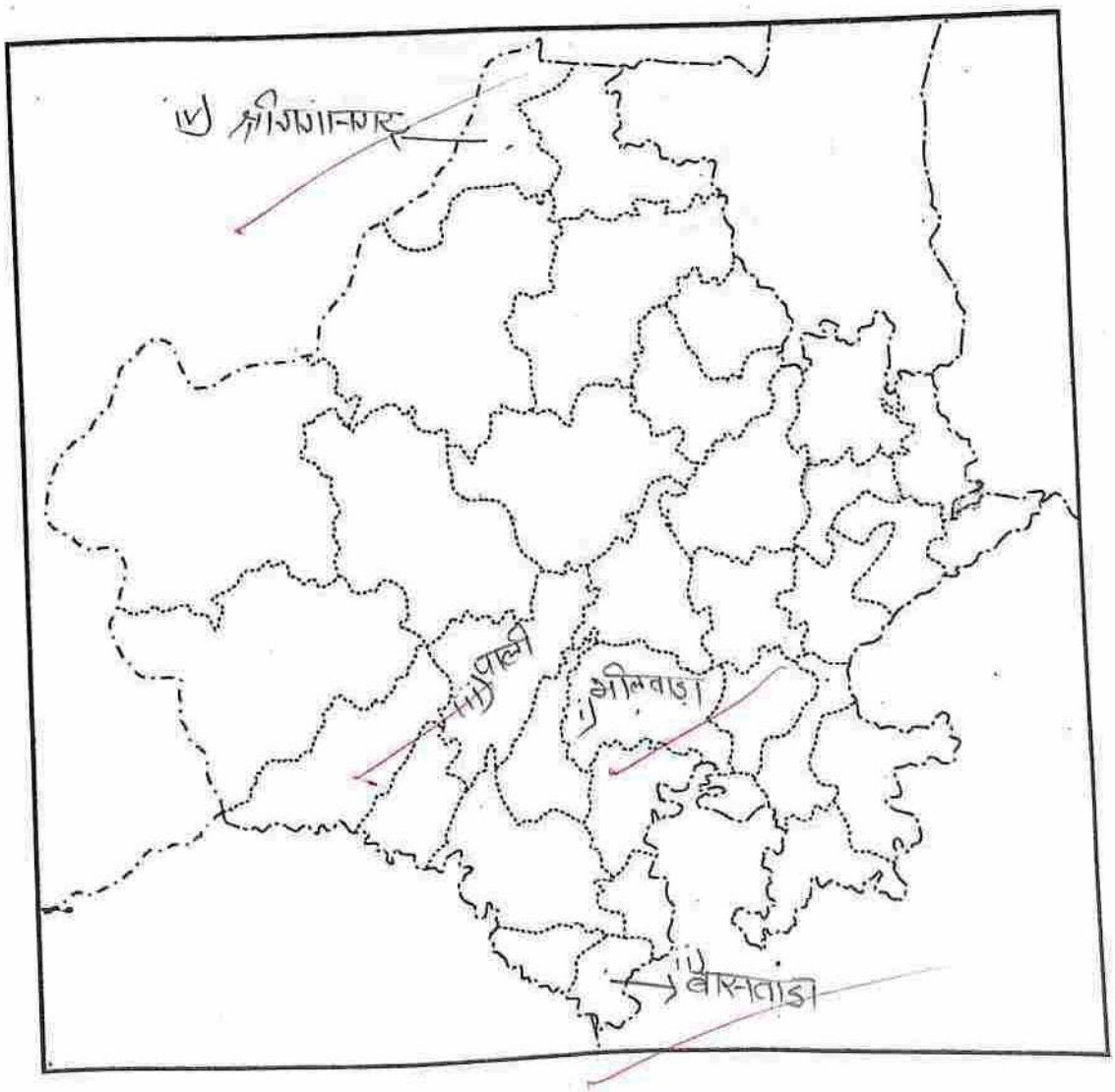

Sl.No. : 017320

नामांक	Roll No.					
2	9	2	5	3	1	1

SS–14–Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019

Subject : GEOGRAPHY

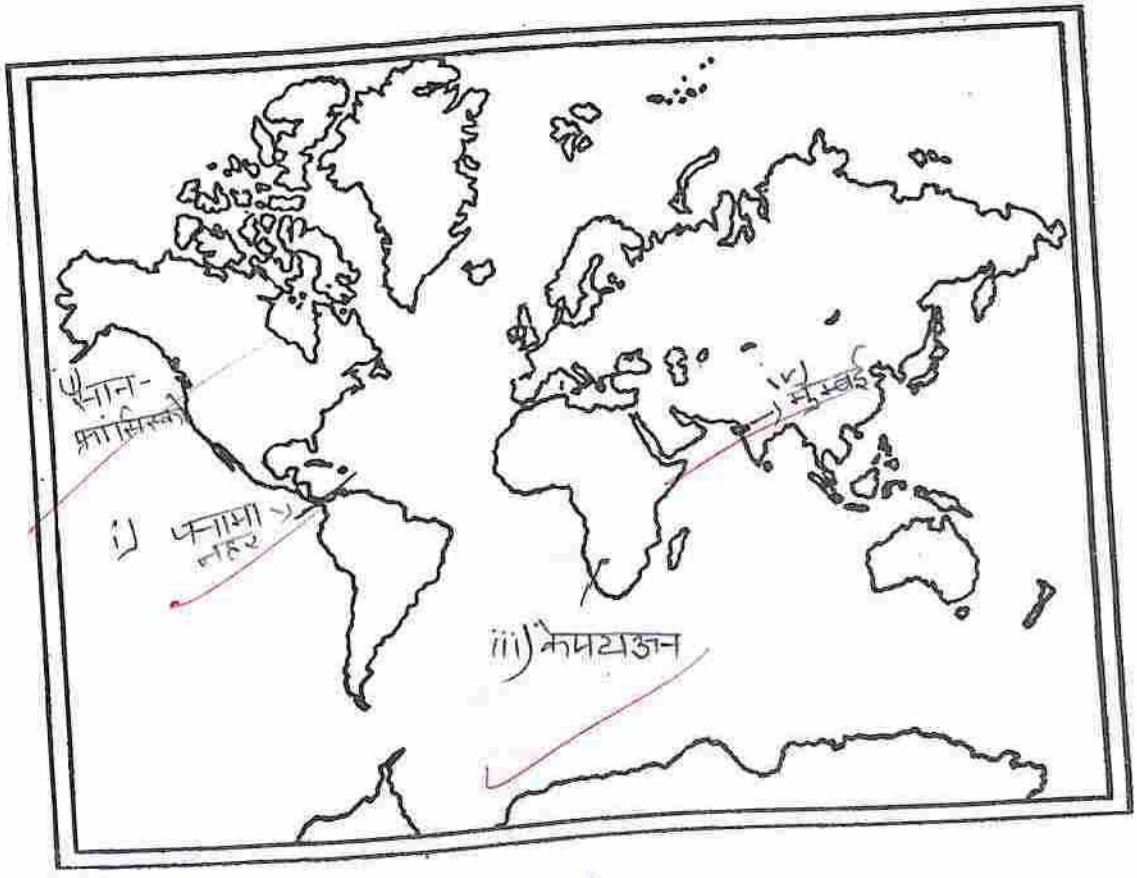

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 26 भारत में निवास करने वाली छः प्रजातिय समूह निम्नलिखित हैं :-

1) निग्रीटो प्रजाति
2) आद्य आस्ट्रेलाइड प्रजाति
3) मंगोलाइड प्रजाति
4) तिब्बती प्रजाति
5) चौड़े सिर वाली दक्षिणी - पश्चिमी प्रजाति
6) भूमध्य सागरिय प्रजाति

उत्तर 27 मत्सय उद्योग को प्रोहत्साहन हेतु भारत में निम्न नवीन प्रयास किए जा रहे हैं :-

i) नए बन्दरगाहो का निर्माण किया जा रहा है;
ii) मत्सय व्यवसाय हेतु प्रशिक्षण केंद्रो के लिए प्रशिक्षण केन्द्र खोले जा रहे हैं;

iii) मछुआरो को मछली पकड़ने हेतु नए तकनीकी ज्ञान का प्रशिक्षण दिया जा रहा है;

iv) बेलो व मालगाड़ीयो से प्रशीतन युक्त डिब्बो का निर्माण किया जा रहा है।

v) मछलीयो को पकड़ते समय चारा डालने हेतु खाद्य पदार्थो को मछुआरो को वितरित किया जा रहा है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

vi) मध्यमी उत्पादक क्षेत्रो के समीप व्यापारो को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उत्तर 28. मानव व्यवसाय निम्न लिखित हैं :-
प्राथमिक व्यवसाय।

i) प्रथम व्यवसाय :- प्रकृति प्रदत्त सभी वस्तुओ का सीधा प्रयोग करना प्रथम व्यवसाय कहलाता है

उदाहरण :- आखेट, मत्सय पालन संग्रह आदि।

ii) द्वितीयक व्यवसाय :- प्रकृति प्रदत संसाधनो को प्रष्कृत कर प्रयोग मे लेना द्वीतियक व्यवसाय कहलाता है।

उदाहरण :- विनिर्माण, निर्माण व प्रसंस्करण आदि।

iii) तृतीय व्यवसाय :- सभी प्रत्यक्ष सेवाए तृतीय व्यवसाय के अन्तर्गत आती हैं

उदाहरण :- संचार, परिवहन, बैंक मनोरंजन आदि।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

iv) चतुर्थ व्यवसाय :- जीन गॉटमैन सभी अप्रत्यक्ष सेवाओं को चतुर्थ व्यवसाय में शामिल करते है।
उदाहरण :- शोध, प्रबंधन, आदि,

v) पंचम व्यवसाय :- इसमे वे सभी नवीन एवं वर्तमान सेवाए शामिल की जाती है जो नई प्रौद्योगिकी के मुल्याकन, आकड़ो की व्याख्या व उनके पुर्नगठन पर आधारित होती है,
उदाहरण :- सरकारी नीतिया, दार्शनिक आदि,

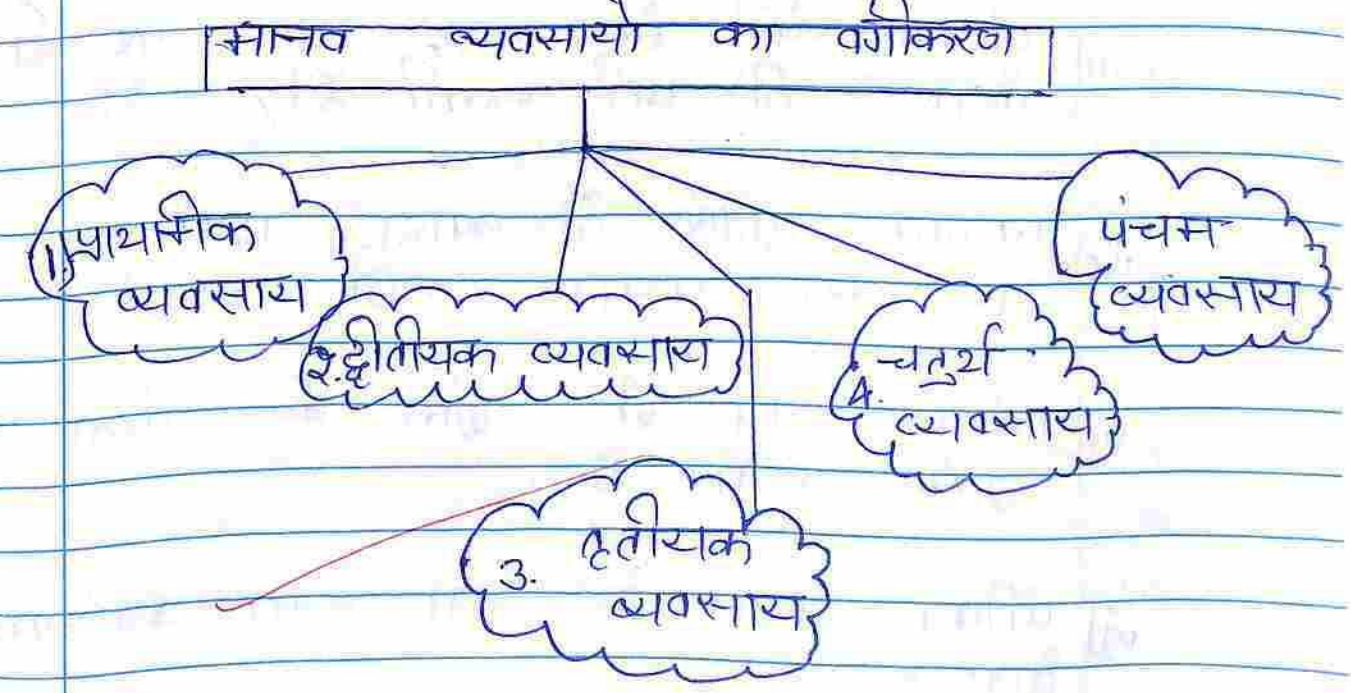

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 24 जैविक कृषि की निम्नलिखित विशेषताओं के कारण हम उसे अपने गाँव के किसानों को अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे :-

i) जैविक कृषि :- रासायनिक पदार्थों से रहित तथा हरित पदार्थों सहित कृषि जैविक कृषि कहलाती है।

ii) जैविक कृषि हेतु खाद्य खाद गोबर की तथा फलों - सब्जियों की सड़ी हुई खाद प्रयोग में ली जाती है।

iii) जैविक खेती हेतु खाद घर पर ही तैयार की जा सकती है।

iv) जैविक कृषि के खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव नहीं डालते।

v) जैविक कृषि से भूमि की उर्वरता शक्ति बढ़ती है।

vi) जैविक कृषि हेतु कम जल की आवश्यकता होती है।

vii) जैविक कृषि परम्परागत कृषि है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

ix) जैविक कृषि करने से जलवायु पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता।

x) रासायनिक उर्वरक न खरीदने के कारण पूंजी की बचत होती है।

xi) इसी लिए जैविक कृषि सर्वोत्तम मानी जाती है।

* पूर्ण जैविक कृषि करने वाला राज्य :- सिक्किम

उत्तर 30 सहरिया जनजाति :-

i) निवास क्षेत्र :- राजस्थान की 98% से अधिक सहरिया जनजाति के लोग बारां जिले की किशनगंज व शाहबाद तहसीलों मे निवास करती है।

ii) आवास गृह :- सहरिया जनजाति के लोगों मे दो प्रकार के आवास गृह पाए जाते है :- टापरी व टोपा।
घासफूस से बनी झोपड़ियों को टापरी कहा जाता है।

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

टोपा :- टोपा वृक्षों के ऊपर बने मचान को कहते हैं।

iii) सामाजिक जीवन :- सहरिया जनजाति के लोग पितृसत्तात्मक होते हैं। इनमे गांव के मुखिया को सहलोत कहा जाता हैं। इनके गावो को सहरोल कहा जाता हैं। किशनगंज के पास सीतावाड़ी में लगने वाला मेला इनका प्रमुख मेला हैं। ये वाल्मिक देव को पुजते हैं।

iv) आर्थिक गतिविधिया :- ये जनजाति मुख्यत: संग्रहण व आखेट का कार्य करती हैं। तथा वर्तमान में ये जनजाति मजदूरी के लिए शहरो की ओर जा रही हैं। जिस कारण इनकी जीवन बोली में सुधार आया हैं।

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

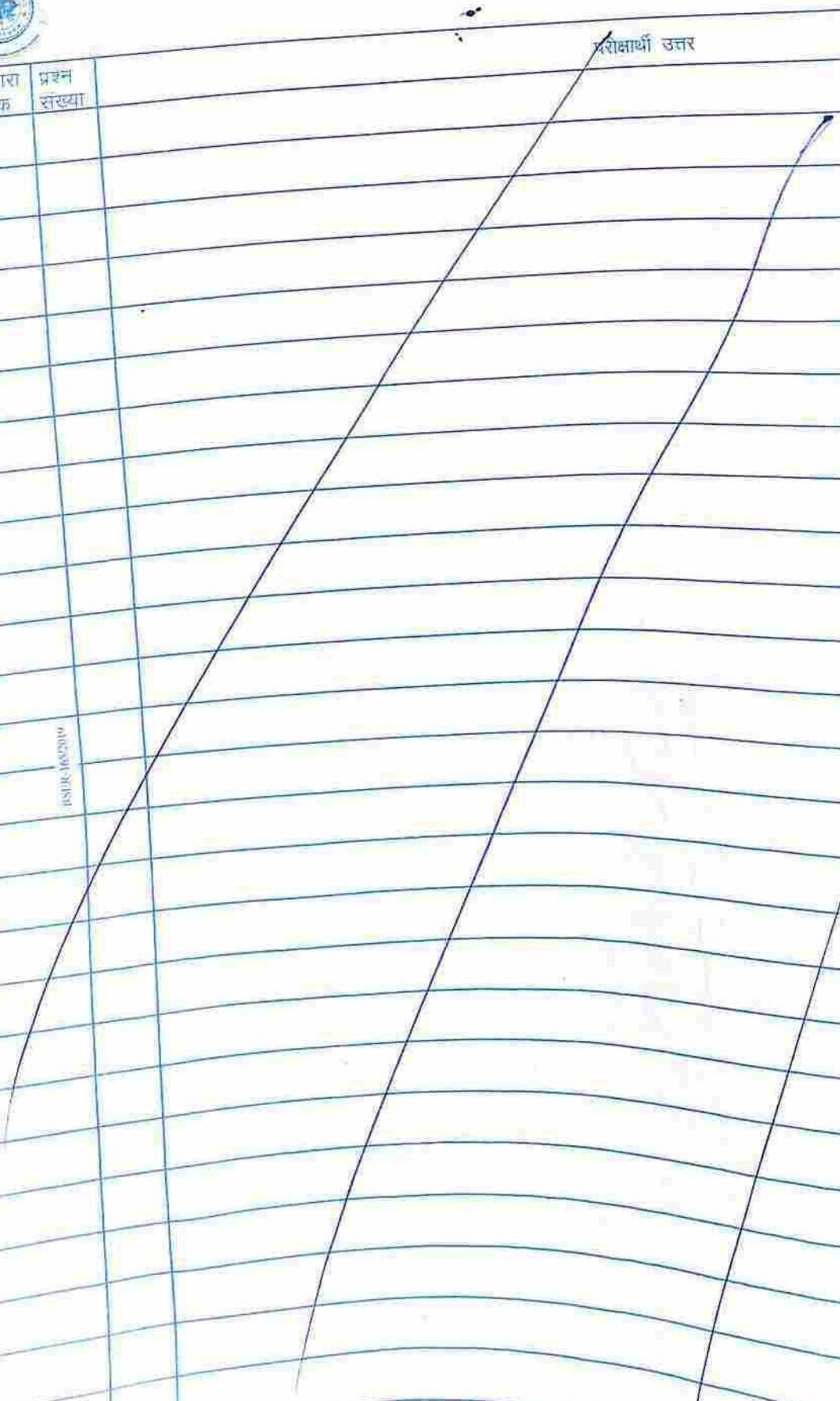

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर